विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

क्या कम वोटिंग का अर्थ लोकतंत्र में विश्वास की कमी है?

प्रश्न गम्भीर है और इसका उत्तर जटिल। साधारणतः यह कहा जा सकता है कि कम वोटिंग के अनेक कारण हैं। चुनावों में मतदान की प्रक्रिया को उसके पेटर्न को समझना भी एक कला है। मतदान संवैधानिक अधिकार है। यह आवाज प्रारम्भ ही से सुनी जा रही है कि मतदान करना अनिवार्य होना चाहिये। सन 1951-52 से प्रारम्भ होने वाले चुनावों से लेकर अभी तक यह स्पष्ट रूप से समझा जा रहा है कि चुनावों में समय ज्यादा भागीदारी गरीबों की, साधारण व्यक्तियों की है, बड़े लोग, बडे अधिकारी मतदान में भाग बहुत कम लेते हैं।

वर्तमान चुनाव में यह नारा बहुत प्रचलित है, अबकी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। मोदी के विरोध में विपक्ष एकजुट होने का प्रयत्न कर रहा है, किन्तु सफलता उसकी पहुँच से दूर है। विपक्षी संगठन को INDIA नाम दिया गया है। वस्तुतः पूरा नाम बहुत बडा है, किन्तु INDIA का सही अर्थ क्या है किसी ने समझा नहीं है। हमारे देश का नाम भारत है। जैनियों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र के नाम भरत पर देश को भारत नाम दिया गया। वेदों में ऋषभदेव के नाम का वर्णन है। अंग्रेजों ने भारत को अपना एक उपनिवेश बनाया और इसे INDIA नाम दिया। ऑक्सफोर्ड के शब्दकोष में INDIA के नाम का अर्थ है, वह जनजाति (ट्राइब) जो अशिक्षित है, लूटपाट में लिप्त है।

चुनावों में भाग लेने वाले लोग कई श्रेणियों में वर्गीकृत किये जा सकते हैं। प्रथव चुनाव के समय सबसे बडी पार्टी कांग्रेस थी। विपक्ष कई दलों में बंटा हुआ रहा है। वर्तमान में संसद की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। भाजपा का राज है। कांग्रेस विपक्ष की बड़ी पार्टी है। यह कहा जा रहा है कि भारत की संसद में कभी 400 सांसद कांग्रेस के थे; किन्तु आज 300 सांसद चुनावों में खडे होने वाले उम्मीदवार भी उसे नहीं मिल रहे हैं, जिन पर वह विश्वास कर सके। गठबंधन के लोग ही आपस में लड रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में हो रहे हैं। प्रथम चरण के चुनाव 19 अप्रैल 2024 को हो चुके हैं। अन्तिम चरण 7 के चुनाव 01 जून 2024 को होंगे।

पहले चरण के 102 सांसदों के क्षेत्र के चुनावों में मतदान हो चुका है।

भारत में मतदान का पेटर्न उलझे हुये प्रश्न के उत्तर जैसा है। प्रारम्भ में चुनाव का पेटर्न कांग्रेस बनाम अन्य पार्टियां थीं। वर्तमान में अब यह पेटर्न भाजपा बनाम शेष अन्य पार्टियां हैं। नये भारत का जन्म राजनीति के आंगन में हुआ। जहां गणतंत्र है वहां एक दूसरे के विरूद्ध विचारधारा की पार्टी होंगी ही। जिस पार्टी की सरकार है उसके कार्यकर्ता के हित रखने वाले व्यक्ति कमिटेड मतदाता होते हैं। यह माना जाता है, ऐसे लोगों ने पार्टी के पक्ष में मतदान किया ही होगा।

प्रत्येक व्यक्ति अपेक्षा करता है कि उसके देश की सरकार, विकास के प्रति कर्त्तव्य निष्ठ रहे। अतः नये मतदाता, पार्टी इन पावर का साथ देते हैं। कुछ मतदाता समय की बयार के साथ चलते हैं। देश की महिलाओं का मत भी विकास के साथ रहता है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक से मुक्ति ने मुस्लिम महिलाओं को मतदान के लिये प्रेरित किया है और राम मंदिर ने हिन्दू महिलाओं को मतदान की कीमत समझी है।

सन् 2024 का यह चुनाव मोदी के सबल नेतृत्व में एनडीए संग भाजपा तथा कांग्रेस संग इण्डिया के मध्य लड़ा जा रहा है। एक ओर विश्व के नेताओं के नेता पीएम मोदी ने चुनाव की बागडोर संभाल रखी है तो दूसरी ओर बिखरा हुआ ध्ग्र्क्ष्ह संग राहुल की कांग्रेस के बीच लड़ा जा रहा है। एक ओर देश को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने का है तो दूसरी ओर लडखडाते हुये नेतृत्व विहीन पार्टी चुनाव के मैदान में है। भारत की चारों दिशाओं में अब की बार मोदी सरकार व 400 पार के नारे बुलन्द आवाज में सुनाई दे रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्ष को 300 सीटों पर लड़ने वाले उम्मीदवार भी नहीं मिल पा रहे हैं। बनावटी पोल के नतीजे भी चुनाव के रिजल्ट 370 के आस पास दिखा रहे हैं।

दिनांक 19.04.2024 को प्रथम चरण के चुनाव पूरे हुये और देर रात तक यह समाचार मिला कि औसत मतदान कम हुआ है। राजनैतिक गलियारों में कुछ देर के लिये सन्नाटा छा गया। विचारों का द्वन्द प्रारम्भ हो गया। दिनांक 19.04.2024 के बाद चुनाव आयोग का चुनावों का विस्तार से विशेलेषण मिला। यदि हम राजस्थान की 12 संसद की सीटों के बूथ वाईज मतदान को देखेंगे तो ज्ञात होगा कि 24370 मतदान केन्द्रों में से 12001 केन्द्रों पर पूर्व चुनाव के औसत 58.28 प्रतिशत से कम वोट पडे हैं। 5717 बूथों पर तो 50 फीसदी से कम मतदान हुआ है। विशलेषण के आंकडे यह भी कह रहे हैं कि कुछ बूथों पर 90 प्रतिशत मतदान हुआ है और कुछ पर मतदान 10 प्रतिशत ही हुआ है। कुछ जगह मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार किया है। राजस्थान की तरह ही अन्य राज्यों में भी मतदान में कमी आंकी गई है। 21 राज्यों में से 19 में मतदान में कमी आई है। राजस्थान में 2019 में मतदान 63.7 प्रतिशत था इसके विरूद्ध 2024 में औसत मतदान 57.6 प्रतिशत है। लक्षद्वीप में 2019 में 85.1 प्रतिशत था और 2024 में मामूली सी कमी आंकी गई है, वहां औसत 2024 में 84.1 प्रतिशत आया है। उत्तराखण्ड में 2019 में 61.5 प्रतिशत तो 2024 में 57.2 प्रतिशत पाया गया है। आन्ध्रप्रदेश, तामिलनाडु, महाराष्ट्र में मतदान में काफी कम है। इलेक्शन कमीशन इस कमी पर निकाह लगाये हुये है और इसे बूस्ट करने की योजना दूसरे चरण में करने जा रहा है। आज 26.4.2024 है, यानी दूसरे चरण का मतदान है। ऐसा मालूम हुआ है कि मतदान के समय मुख्य बाजार बंद रहेंगे।

> **भारत में मतदान का पेटर्न उलझे हुये प्रश्न के उत्तर जैसा है। प्रारम्भ में चुनाव का पेटर्न कांग्रेस बनाम अन्य पार्टियां थीं। वर्तमान में अब यह पेटर्न भाजपा बनाम शेष अन्य पार्टियां हैं। नये भारत का जन्म राजनीति के आंगन में हुआ। जहां गणतंत्र है वहां एक दूसरे के विरूद्ध विचारधारा की पार्टी होंगी ही।**

कम वोटिंग के कई कारण हैं। अलग-अलग प्रदेशों में भी ये कारण भिन्न हो सकते हैं, किन्तु इस सच को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि कम मतदान का अर्थ है, मतदाता का लोकतंत्र में विश्वास कम होना है।

पहले चरण में यह भी देखने में आया है कि जहां भाजपा का असर है वहां मतदान कम हुआ है किन्तु जहां भाजपा का प्रभाव नगण्य है वहां मतदान बम्पर भी हुआ है।

प्रथम चरण में मतदान की कमी का कारण कुछ चुनाव विशेषज्ञ यह मानते हैं कि भाजपा यह मान बैठी थी कि उनकी जीत सुनिश्चित है, और कांग्रेस के कार्यकर्ता हार के भय से निराश हो गये थे। हार निश्चित है, फिर मतदान कराने का नाटक क्यों किया जावे? मतदान के समय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को घर से बूथ तक लाने का प्रयत्न नहीं के बराबर किया जबकि भाजपा कार्यकर्ता भी एक सीमा तक आशावान होने से पूर्ण सजग नहीं रहे।

एक चुनाव विशेषज्ञ का विचार लेखक को सारगर्भित लगा। उनका कहना था कि कांग्रेस अपनी सन्तानों को सैट करना चाहती है, वहीं मोदी सभी लोगों की सेवा में खड़ा है।

चुनावों में एक बात मूल रूप से देखी जा रही है कि पैसे वाले व बुद्धि वाले मत देने बूथ तक नहीं जाते। मतदान में झुग्गी-झौंपडी के मतदाताओं की संख्या अधिक रहती है। अतः मतदान अनिवार्य Compulsory होना चाहिये। प्रत्येक मतदाता का कर्त्तव्य है कि वह मतदान धर्म व कर्म समझकर करें।

पहले चरण के चुनाव में यह देखा गया है सभी पार्टियां भीतरी घात से प्रभावित है। एक व्यक्ति वर्षों तक अपनी पार्टी के नेताओं की सेवा करता रहा और जब उसका हक परिपक्व हुआ तो दूसरी पार्टी के व्यक्ति को जो पार्टी छोडकर आया है उसे टिकिट दे दिया जाता है। इन परिस्थितियों में भीतरी घात का होना स्वाभाविक ही माना जाना चाहिये। जब तक कोई व्यक्ति लगातार 5 वर्षों तक एक राजनैतिक पार्टी का सदस्य नहीं रहता उसे पार्टी चुनाव के हेतु टिकिट न दिया जावे। '**आया राम गया राम**' का सिद्धान्त नैतिक नहीं है।

मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है अतः न तो यह बेचा जा सकता है न खरीदा ही जा सकता है। संविधान के अनुसार मतदाता और चुनाव में खडा होने वाला वही व्यक्ति होना चाहिये जो संविधान के अनुच्छेद 51क के तहत् अपने मूल कर्त्तव्यों की पालना कर रहा हो। देश की संसद का समस्त कार्य संविधान के अनुसार होना चाहिये, अतः आवश्यक है वह संविधान की जानकारी रखने वाला हो। वह कानून बनाता है, अतएव वह पढ़ा-लिखा होना चाहिये। यह सुझाव कई बार दिया जा चुका है कि सांसद/विधायक बनने के लिये ग्रेजूयेट होना कानून में आवश्यक किया जावे। जो व्यक्ति अनुच्छेद 51क के कर्त्तव्यों की पालना करने में बार-बार चूक कर रहा हो उसे चुनाव में खड़ा होने के योग्य नहीं माना जावे।

हमारा चुनाव का कानून The Representation of People Act, 1951 बहुत पुराना हो चुका है। समय के साथ वह पिछड़ चुका है। उसमें बहुत सुधारों की आवश्यकता है। अतः सम्पूर्ण रूप से नया कानून लाना आवश्यक हो गया है। नया कानून शीघ्र से शीघ्र लाया जावे। संविधान में भी इस हेतु आवश्यक संशोधन हों। चुनावों में राजनीतिक पार्टियों को चंदा कहां से और कैसे प्राप्त हो यह पारदर्शी होना चाहिये। उम्मीदवार अधिक से अधिक कितना खर्चा चुनाव पर खर्च कर सकता है, इसकी सीमा निर्धारित होनी चाहिये और पालना आवश्यक हो। देश में संसद व विधान सभा, नगरपालिका अथवा पंचायत के चुनाव एक साथ हो, विकासशील देश के लिये एक देश एक चुनाव आवश्यक है। सन् 1952 से प्रारम्भ होने वाले चुनावों का स्तर धीरे-धीरे गिरता जा रहा है। नेताओं की जबान विषैली हो गई है यह सच है संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, किन्तु जिस भाषा का हम चुनावों में प्रयोग कर रहे हैं वह उस देश की भाषा नहीं हो सकती, जिस देश में गंगा बहती है।

प्रश्न लेख में यही उठाया गया था कि प्रथम चरण के चुनाव में मतदान औसत से कम क्यों हुआ? इसका सीधा, सरल व उचित उत्तर है भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं का जीत के प्रति अति उत्साहित होना कि हमारी जीत तो निश्चित है। कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं में निराशा की भावना व्याप्त होना कि वे तो हारेंगे ही फिर मेहनत क्यों की जावे? परिणाम यह हुआ कि मतदाता जिस संख्या में मतदान करते वे पोलिंग बूथ तक पहुंच ही नहीं सके। मतदान कम हुआ। मतदान में कमी लोकतंत्र में विश्वास की कमी को प्रदर्शित नहीं करता। मतदान का सिद्धान्त है कि सत्ता बरकरार रहने के माहौल के कारण मतदान में कमी आती है और बदलाव के लिये ज्यादा मतदान होता है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पक्षीघर बनाने वाले-नेमीचंद चौपड़ा

पक्षियों के लिए आवास और दाना-पानी जुटाने की पहल

डॉ. अरुणा व्यास

यह समय पक्षियों के लिए संकट का है। खासकर से गौरेया के लिए। तेजी से बदलते शहर और वहां बनने वाले आवास अब घरेलू गौरैया के लिए उपयुक्त नहीं रह गए हैं। गौरैया मानव के लिए बेहद लाभकारी है। पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने और घातक कीटों को खाकर अपना जीवन यापन करने वाले इस पक्षी के नहीं रहने का अर्थ है, मानव सभ्यता पर ही संकट। असल में अब जो घर बन रहे हैं, वह इस तरह से बन रहे हैं कि वहां गौरैया के घोंसले के लिए जगह नहीं होती। माइक्रोवेव टावरों और कीटनाशकों के कारण होने वाले प्रदूषण से घरेलू गौरैया की पूरी की पूरी प्रजाति संकट में है। गौरैया ही क्यों दूसरे पक्षी भी अब बहुत कम दिखने को मिलते हैं। सोचिए, ऐसा ही यदि होता रहा तो आने वाले समय में पक्षियों के बगैर ही हमें रहना होगा और इसका अर्थ है, स्वयं हमारे ही अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह!

हमारी संस्कृति में कहा गया है पक्षियों को दाना-पानी देने से भविष्य के अनिष्ट से स्वयमेव छुटकारा मिल जाता है। यह भी कि हजार मनुष्यों के बजाए हजार मूक जीवों को भोजन कराना अधिक पुण्य का कार्य है। यह समय भीषण गर्मी का है, गौरैया और दूसरे पक्षियों के लिए दाना-पानी की बड़ी समस्या इस समय रहती है। इस दृष्टि से पाली में बहुत महती काम किया है, समाजसेवी नेमीचंद चौपड़ा ने। नेमीचंद चौपड़ा मूलतः व्यवसायी हैं परन्तु पिछले एक दशक से पक्षियों को बचाने की मुहिम में लगे हैं। उनकी इस मुहिम का आधार है, पक्षियों के लिए घर बनाकर उन्हें बसाना। आरंभ में गौरैया को बचाने के लिए उन्होंने ऐसा किया पर अब वह जो घर पक्षियों के लिए बनाते हैं, उनमें सब-तरह के पक्षी, कबूतर अपना आवास करते हैं और वहीं दाना-पानी की उनकी पूर्ति भी हो जाती है। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली में विशेष रूप से पक्षी-घर बनाए हैं। आमतौर पर पक्षियों के लिए पेड़ ही बसेरा होता है। गौरैया के लिए लोगों के घर भी बसेरा होते हैं परन्तु बदलती जीवन शैली में गौरैया को घर कौन दे? कौन उसे अपने यहां घोंसला बनाने दे? इसलिए उनके यह घर भी अब दूर की सोच हो गए हैं। और फिर जैसे-जैसे कंक्रीट के जंगल में यह सारा संसार तब्दील होता जा रहा है, पक्षियों और जानवरों के लिए रहने के ठिकाने छीनते जा रहे हैं।

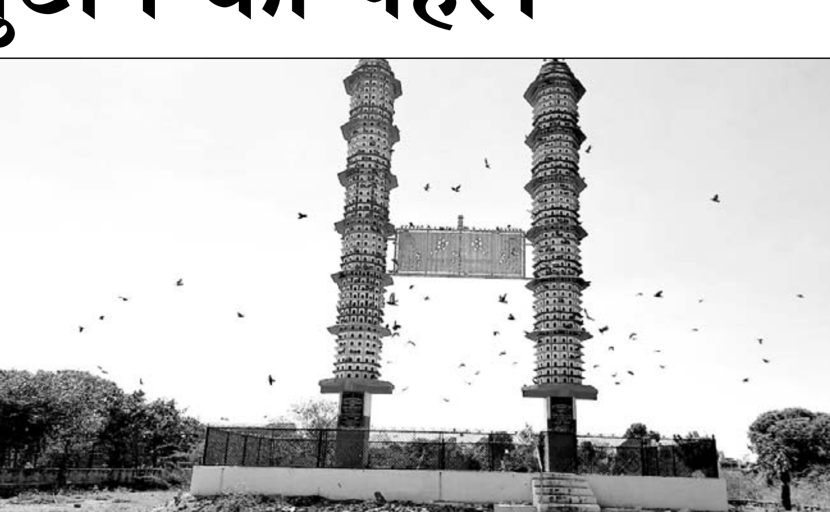

पक्षी कहां जाए? कैसे उनको भोजन मिले? कैसे वे श्वान और दूसरे जानवरों के शिकार होने से बचे रहें? इन्ही प्रश्नों से जूझते भामाशाह नेमीचंद चोपड़ा ने पक्षियों के लिए घर बनाने के विचार को मूर्त रूप दिया। पक्षी प्रायः तिनका-तिनका एकत्र किए अपने घोषलों में ही रहना पसंद करते हैं, पर शहरों में इमारतों के फैलते जंगल में तिनके कहां से आए? इसी सोच से नेमीचंद चौपड़ा ने पक्षियों के रहने के लिए ही बहुमंजिला आवास की पहल की। इसके लिए बाकायदा पक्षियों के लिए मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए घोंसला रूपी निर्माण कार्य आरंभ किया गया। पाली में पक्षियों के लिए बहुत सुंदर घर बने हैं। बहुमंजिला इमारतों में मनुष्य नीं पक्षी अपनी मर्जी से रहते हैं। पाली जाएंगे तो आपको नेमीचंद चौपड़ा के बनाए पक्षियों के लिए अनूठे ठिकाने देखने को मिलेंगे। यहां पक्षी घोंसलों के बजाय हमारी ही तरह फ्लैट में रहते हैं, वो भी हजारों की तादाद में। इन मूक परिंदों के लिए ऐसे फ्लैट बनवाए गए हैं, जिनमें गर्मी के तेज ताप भी बेअसर है। बाकायदा इसके लिए गुजरात के कारीगरों को बुलाकार कार्य किया गया। गुजरात की मोरबी टाइल्स से इनका निर्माण किया गया है। यह गर्मी में ठंडी और सर्दी में गर्म रहती है। माने वातानुकूल हैं। नेमीचंद चौपड़ा बताते हैं, इसके लिए गुजरात गया था। वहां देखा 12 फूट का पक्षीघर किसी ने बनाया था। मैंने यह जो पाली में बनाया है वह 72 फूट का है। यहां तूफान आया पर कुछ नहीं हुआ। इस पक्षीघर में करीब 3000 पक्षियों के घोंसले हैं, जो देखने में भी काफी सुंदर लगते है। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली ही नहीं, जिले के दूसरे गांव-कस्बों में भी ऐसे ही फ्लैट पक्षियों के लिए बनवाए हैं। उद्देश्य यही है कि पक्षी सुकून से वहां रह सके। पाली शहर के तीन ओर से पानी से घिरे लाखोटिया उद्यान में उन्होंने आरंभ में ऐसे ही दो पक्षीघर बनाए हैं। शहरवासी यहां उद्यान में घूमने आते हैं और पक्षियों के लिए दाना-पानी डालते हैं। इससे पक्षियों को फ्लैट से बाहर आने तक की जरूरत नहीं होती है। इससे पक्षियों के मरने के आंकड़ों में भी कमी आयी है। पक्षियों के अपने घर है। इसलिए उन्हें श्वान का डर नहीं है। इतनी ऊंचाई पर है कि वहां श्वान पहुंच नहीं सकते। बरसात व अंधड़ के समय भी पक्षी सुरक्षित रहते हैं। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली के साथ ही सोजतरोड, निमाज और जैतारण सहित अन्य इलाकों में भी पक्षियों के लिए ऐसे ही पक्के पक्षीघर बनवाए हैं। नेमीचंद उदार व्यवसायी हैं। पक्षीघर के बाद अब शहर में तोता घर का निर्माण करवाने का भी उनका विचार है। वह कहते हैं, तोतों के लिए अलग से पक्के घर का निर्माण करवाया जाएगा। इनकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। पाली हाइवे पर नेमीचंद चौपड़ा ने प्रख्यात संत रूप मुनि जी की स्मृति में भव्य जैन मंदिर और साधु-संतों के समागम के लिए विश्राम गृह का निर्माण भी किया है। वह चाहते हैं, श्रमण संस्कृति के आलोक में जैन धर्म से जुड़े इतिहास और संस्कृति का एक विशाल पुस्तकालय भी रूप-मुनि की स्मृति में स्थापित करें। इसके लिए भी उन्होंने सुनियोजित कार्य योजना के तहत पहल की है। उद्देश्य यही है कि इस पुस्तकालय के साथ जैन धर्म से जुड़ी भारतीय संस्कृति के मौलिक शोध और अनुसंधान को गति दी जा सके।

डॉ. अरुणा व्यास,
पत्रकार एवं लोक-संस्कृति मर्मज्ञ

प्रबंध निदेशक ने ली अधिकारियों की बैठक

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के.पी वर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक ने फील्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेफ्टी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। इस दौरान शट डाउन के लिए लिखित अनुमति लेने, लॉग शीट को सभी 33/11 केवी जीएसएस में मेन्टेन करने, दुर्घटनाओं को रोकने , शपथ रजिस्टर तथा सब-डिवीजन कमिटी में इंजीनियर सुपरवाइजर को शामिल करने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह देखा गया है कि कर्मचारी शट डाउन लेने के लिए टेलीफोन से ही अनुमति ले कर शट डाउन कर लेते है। इस प्रक्रिया में सुधार करते हुए अब कर्मचारी (पीटीडब्ल्यू) परमिट टू वर्क लेके ही शट डाउन करेगा। यानी अब बिना लिखित अनुमति के कर्मचारी शट डाउन नही ले सकेगा तथा कार्य समाप्ति के उपरांत कोई व्यक्ति लाइन पर कार्य नही कर रहा है, यह पूर्ण रूप से सुनिश्चित करने के पश्चात ही परमिट टू वर्क वापिस हो सकेगा। यह पीटीडब्लू रजिस्टर हर जीएसएस में मेन्टेन होगा। इसी तरह प्रत्येक 33/11 जीएसएस पर लॉगशीट मेन्टेन करने के भी निर्देश दिए गए है।

वर्मा ने बैठक के अधिकारियों से कहा कि अभी भी कई कर्मचारी / संविदाकर्मी अभी भी लाइन पर कार्य करते समय सुरक्षा उपकरण नही पहनते है और दुर्घटना के शिकार हो जाते है। इसलिए कर्मचारियों और संविदाकर्मियों को और अधिक जागरूक करने के लिए प्रत्येक उपखंड को अब एक शपथ रजिस्टर मेन्टेन करना होगा।

लोकतंत्र के पर्व के लिए मतदान आज, मतदान दल हुए रवाना

अजमेर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 के अन्तर्गत शुक्रवार को मतदान किया जाएगा। गुरूवार को सभी मतदान दल मतदान सामग्री लेकर राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज माखुपुरा से रवाना हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर डॉ भारती दीक्षित ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े समस्त दल निर्धारित स्थानों के लिए गुरूवार को रवाना हुए। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय से समस्त दल रवाना हुए। जिले के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नियुक्त मतदान दलों का तृतीय एवं अन्तिम प्रशिक्षण दो चरणों में सम्पन्न हुआ।

उन्होंने बताया कि इसका प्रथम सत्र सुबह 7 बजे से 10 बजे तक तथा द्वितीय सत्र प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक हुआ। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रा 98-किशनगढ़, 103-ब्यावर, 104-मसूदा एवं 105-केकड़ी के लिए नियुक्त मतदान दल कार्मिक एवं सेक्टर मजिस्टेªट्स प्रशिक्षण के प्रथम सत्रा में तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रा 99-पुष्कर, 100-अजमेर उत्तर, 101-अजमेर दक्षिण एवं 102-नसीराबाद के लिए नियुक्त सेक्टर मजिस्टेªट्स द्वितीय सत्रा में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें निर्वाचन सामग्री सुपुर्द की गई। उन्होंने बताया कि तृतीय प्रशिक्षण में मतदान दलों के सभी सदस्य सम्मिलित हुए। मतदान दल के सभी सदस्य पीआरओ, पी-1, पी-2, पी-3 एवं पुलिसकर्मी बूथवार एक साथ बैठे। मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण उनकी बैठक व्यवस्था में ही किया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम प्रशिक्षण सत्रा प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक हुआ। इसमें 1232 मतदान दलों ने भाग लिया। इनमें किशनगढ़ के मतदान केन्द्र कुल 281 (मूल-268 एवं सहायक-13), मसूदा के मतदान केन्द्र कुल 282 (मूल-278 एवं सहायक-4), ब्यावर में मतदान केन्द्र कुल 286 (मूल-276 एवं सहायक-10), केकड़ी के मतदान केन्द्र कुल 271 (मूल-267 एवं सहायक-4) तथा आरक्षित मतदान दल कुल 112 थे। इन्होंने प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक मतदान दल सामग्री प्राप्त कर प्रस्थान किया।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार द्वितीय प्रशिक्षण सत्र सुबह 11 बजे से अपरान्ह एक बजे तक आयोजित हुआ। इसमें 953 मतदान दलों ने भाग लिया। इनमें अजमेर दक्षिण के मतदान केन्द्र कुल 186 (मूल-184 एवं सहायक-2), अजमेर उत्तर के मतदान केन्द्र कुल 201 (मूल-194 एवं सहायक-7), पुष्कर के मतदान केन्द्र कुल 245 (मूल-241 एवं सहायक-4), नसीराबाद के मतदान केन्द्र कुल 234 (मूल-229 एवं सहायक-5) तथा आरक्षित मतदान दल कुल 87 थे। ये दल दोपहर एक बजे मतदान सामग्री प्राप्त कर गन्तव्य के लिए रवाना हुए। दूदू विधानसभा क्षेत्रा के मतदान दल जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर रवाना हुए। उन्होंने बताया कि एकीकृत अजमेर में कुल 1240 मतदान लोकेशन पर 1937 मूल मतदान केन्द्र तथा 49 सहायक मतदान केन्द्र हो गए है। इस प्रकार जिले में कुल 1986 मतदान केन्द्र है। विधानसभा क्षेत्रा किशनगढ़ में 181, पुष्कर में 245, अजमेर उत्तर में 201, अजमेर दक्षिण में 186, नसीराबाद में 234, ब्यावर में 286, मसूदा में 282, केकडी में 271 मतदान केन्द्र हैं। उन्होंने बताया कि लोकसभा आम चुनाव के लिए शुक्रवार को लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए अजमेर संसदीय क्षेत्रा में 19 लाख 95 हजार 699 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 10 लाख 14 हजार 988 पुरूष, 9 लाख 80 हजार 684 महिला तथा 27 तृतीय लिंग मतदाता है। विधान सभा क्षेत्रा दूदू में कुल 2 लाख 55 हजार 176 में से एक लाख 31 हजार 459 पुरूष, एक लाख 23 हजार 716 महिला एवं एक तृतीय लिंग मतदाता है। विधानसभा क्षेत्रा किशनगढ़ में कुल 2 लाख 85 हजार 473 में से एक लाख 46 हजार 558 पुरूष, एक लाख 38 हजार 913 महिला एवं 2 तृतीय लिंग मतदाता है। विधानसभा क्षेत्रा पुष्क? में कुल 2 लाख 54 हजार 145 में से एक लाख 30 हजार 28 पुरूष, एक लाख 24 हजार 116 महिला एवं एक तृतीय लिंग मतदाता है। विधानसभा क्षेत्रा अजमेर उत्तर में कुल 2 लाख 12 हजार 958 में से एक लाख 6 हजार 869 पुरूष, एक लाख 6 हजार 74 महिला एवं 15 तृतीय लिंग मतदाता है। उन्होंने बताया कि इसी तरह विधानसभा क्षेत्र अजमेर दक्षिण में कुल 2 लाख 12 हजार 822 में से एक लाख 6 हजार 167 पुरूष, एक लाख 6 हजार 654 महिला एवं एक तृतीय लिंग मतदाता है। विधानसभा क्षेत्रा नसीराबाद में कुल 2 लाख 35 हजार 118 में से एक लाख 19 हजार 662 पुरूष, एक लाख 15 हजार 453 महिला एवं 3 तृतीय लिंग मतदाता है। विधानसभा क्षेत्रा मसूदा में कुल 2 लाख 75 हजार 317 में से एक लाख 40 हजार 114 पुरूष, एक लाख 35 हजार 200 महिला एवं 3 तृतीय लिंग मतदाता है। विधानसभा क्षेत्रा केकड़ी में कुल 2 लाख 64 हजार 690 में से एक लाख 41 हजार 131 पुरूष, एक लाख 34 हजार 558 महिला एवं एक तृतीय लिंग मतदाता है। उन्होंने बताया कि 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 58 हजार 866 है। इसके अनुसार विधानसभा क्षेत्रा दूदू में 8201, किशनगढ़ में 8706, पुष्कर में 7292, अजमेर उत्तर में 5411, अजमेर दक्षिण में 5373, नसीराबाद में 7359, मसूदा में 8457 तथा केकडी में 8067 मतदाता 18 से 19 वर्ष के है। इसी तरह 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 44 हजार 483 है।

इसके अनुसार विधानसभा क्षेत्रा दूदू में 6752, किशनगढ़ में 6141, पुष्कर में 5707, अजमेर उत्तर में 4931, अजमेर दक्षिण में 5079, नसीराबाद में 5025, मसूदा में 4809 एवं केकड़ी में 6039 मतदाता 80 वर्ष की आयु से अधिक है। उन्होंने बताया कि जिले में 64 महिला प्रबन्धित, 8 दिव्यांग प्रबन्धित तथा 64 युवा प्रबन्धित बूथ स्थापित किए गए है। युव बूथों के लिए तैनात मतदान दलों के कार्मिकों में विशेष उत्साह नजर आया। इनके द्वारा पहली बार मतदान प्रक्रिया में भाग लेकर गर्व का अनुभव किया गया।

राशिफल शुक्रवार 26 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अनुप्रभा नक्षत्र रात्रि 3:40 तक, वारियान योग रात्रि 4:14 तक, गर करण प्रातः 7:47 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 3:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:40 तक रहेगा। भद्रा रात्रि 8:3 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:33 तक, लाभ-अमृत 7:33 से 10:48 तक, शुभ 12:25 से 2:02 तक, चर 5:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 6:53

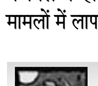

मेष
पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

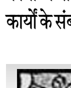

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

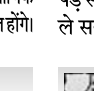

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा।

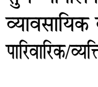

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। पारिवारिक/व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

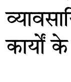

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

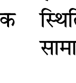

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

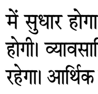

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

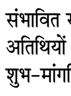

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

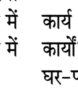

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

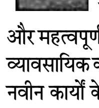

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

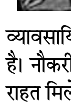

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

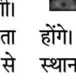

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।